ISSN NO.2395-0692
IJAHMS International Journal of Arts, Humanities and Management Studies

राजनीतिक महिला सशक्तीकरण सहभागिता

डॉ0 पूनम मिश्रा

राजनीति विज्ञान विभाग,सीताराम समर्पण महाविद्यालय नरैनी –बॉदा

सारांश :

वर्तमान में महिलायें विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उचित उपस्थिति दर्ज कराने या प्राप्त करने हेतु संघर्शरत् हैं जिसमें राजनीतिक सहभागिता आदोलन की प्रमुखता है। प्रस्तुत संकलन के अर्न्तगत महिलाओं के राजनीतिक व्यक्तित्व के संदर्भ में उनकी राजनीतिक सहभागिता का एक अध्ययन है।

परिचय :

राजनीति में महिलाओं की भागीदारी की बात करें तो हम पाते हैं कि यहॉ सदैव जमीन से जुडी महिलाओं का आभाव ही दिखा (1)। जिन महिलाओं का पदार्पण इस क्षेत्र में हुआ उनमें से अधिकांश को अपनी प्रभावशाली पारिवारिक पृष्ठभूमि के कारण ही राजनीत में स्थान मिला इसके अलावा विडम्बना यह है कि जो महिलायें आज राजनीति में पहॅुच रही है वे अपनी पुरूष संरक्षकों व पार्टी हितों के प्रति ऐसे प्रतिबद्ध हैं कि अपने समाज के निर्माण में निर्णायक भूमिका नहीं निभा रही हैं। अतः शैक्षिक आयु के आधार पर महिलाओं की राजनीत में भागीदारी का अध्ययन किया जा रहा है। जिससे निम्नवत् आंकडे प्राप्त हुये हैं –

महिलाओं की सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि :

प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित महिलाओं के सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि के विश्लेषण में आयु, जाति, शिक्षा, ग्रामीण, नगरीय पृश्ठभूमि, माता–पिता एवं पति की शिक्षा को सम्मिलित किया है। महिलाओं की सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि के विशलेषण में उनकी संख्या के साथ–साथ उनकी प्रतिशत गणना भी दी गयी है।

सारणी प्रथम :

आयु के आधार पर सूचनादाताओं का वितरण :

आयु समूह	संख्या	प्रतिशत
20–25	08	4.44

ISSN NO.2395-0692
IJAHMS International Journal of Arts, Humanities and Management Studies

26–30	18	10
31–35	66	36.66
36–40	12	6.44
41–45	50	28
46–50	23	13
50 से अधिक	12	07

शिक्षा :

भारत में महिलाओं को साक्षरता दर बहुत कम रही है, जिस कारण महिलाओं का राजनीतिक स्तर बहुत कम रहा इसमें ग्रामीण महिलाओं की साक्षरता दर और भी कम है। अतः काई भी यह समझ सकता है कि भारतीय ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं का राजनीतिक स्तर भून्य के आधार पर है। शिक्षा के आधार पर सूचनादाताओं का विवरण निम्नवत् है –

शिक्षा के आधार पर सूचनादाताओं का विवरण :

शैक्षिक स्तर	**संख्या**	**प्रतिशत**
अशिक्षत	48	26
प्राइमरी	10	06
मिडिल	40	24
हाईस्कूल	30	16
इण्टर	26	15
स्नातक	25	15
परास्नातक	15	08

जाति :

भारतीय ग्रामीण एवं शहरी जनसंख्या में विभिन्न वर्ग पाये जाते हैं अतः प्रस्तुत अध्ययन में उत्तरदाताओं का अध्ययन सामान्य वर्ग, पिछडा वर्ग, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति के आधार पर किया गया है।

सूचनादाताओं का जातीय विवरण :

वर्ग	**संख्या**	**प्रतिशत**
सामान्य	45	24
पिछडा वर्ग	85	45
अनुसूचित जाति	55	30
अनुसूचित जनजाति	—	—

सूचनादाताओं का राजनैतिक अनुभव : जो महिलायें राजनैतिक क्षेत्र में सक्रिय हैं वह अपनी भूमिका का किस तरह संपादन कर रही हैं उनके मार्ग में क्या कोई कठिनाई अवरोध आ रहे हैं यह जानने के लिए सूचनादाताओं ने राजनैतिक अनुभव को भी शामिल किया है —

स्वयं सूचनादाताओं के राजनैतिक अनुभव :

राजनैतिक अनुभव	**संख्या**	**प्रतिशत**
पहली बार निर्वाचित	172	95.55
वर्षों का अनुभव	08	4.80

सुझाव :

1. सभी राज्य विधान सभाओं और संसद के वैधानिक निकायों में महिलाओं को अधिक प्रतिनिधित्व दिया जायेगा।
2. महिलाओं के लिए साक्षरता हेतु प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है।
3. प्रशिक्षण कार्यक्रम गॉवों के निकट आयोजित किया जाना चाहिए।
4. पंचायत निकायों को प्रभावी अधिकार दिये जाने चाहिए। जिससे महिलाओं का राजनैतिक विकास हो सके।
5. अधिकारी तन्त्र महिलाओं को मॉगों के प्रति अधिक सुग्राही होने चाहिये।

www.ijahms.com

ISSN NO.2395-0692
IJAHMS International Journal of Arts, Humanities and Management Studies

महिलाओं को राजनैतिक क्षेत्र में भाग लेने के लिए विशेष आरक्षण मिलना चाहिए।

6. महिलाओं की शिक्षा के प्रति जागरूक बनाने के लिए गॉव–गॉव में विशेष कार्यक्रम चलाये जाने चाहिए।
7. महिलाओं को मंचन करने का अवसर प्रदान किया जाना चाहिए।
8. महिलाओं को जनभागीदारी में सहयोग देना चाहिए।
9. महिलाओं की आर्थिक स्थिति के सुधार के लिए सरकार द्वारा प्रमुख कार्यक्रम चलाये जाने चाहिए, जिससे उनका विकास हो सके।

संदर्भ :

i. जय प्रकाश यादव 'शिक्षा और भारत में नारी का सामाजिक आर्थिक परिदृश्य' राष्ट्रीय सेमिनार, 2–3 नवम्बर 2004 पृश्ठ 86 ।

ii. डॉ0 मनोज कुमार 'राजनीतिक सहभागिता एवं महिला सशक्तीकरण' राधा कमल मुखर्जी चिन्तन परम्परा, सामाजिक विज्ञान विकास संस्थान अंक प्रथम जनवरी – जून 2015 पृश्ठ 59–62 ।

www.ijahms.com